राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 340 | जौनपुर बुधवार, 30 जलाई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रुपये

संक्षिप्त खबरें

वक्फ बोर्ड ने अवैध कब्जेदार के खिलाफ उठाया कदम

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के वक्फ बोर्ड ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जा करने वाले को 28.18 करोड़ रुपये का वसूली का नोटिस जारी किया है। इदारा यतीम खाना के प्रबंधक शाहिद अली खान को भेजा गया यह नोटिस, वक्फ इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा वसूली नोटिस बताया जा रहा है। खान पर वक्फ नियमों का उल्लंघन करने और झूठा दावा कर वक्फ संपत्ति को अपना बताने और उसे किराये पर देने का आरोप है। मध्य प्रदेश में नवाब शाहजहां बेगम ने 138 साल पहले वक्फ संपत्ति दान की थी। इसका उपयोग भोपाल की संस्था दार उल शफ्कत शाहजहांनी ने निजी तौर पर किया। आरोप है कि आरोपी ने 21 साल से बिना अनुमति इज्तिमा बाजरा लगाया और 200 दुकानों से 24.85 करोड़ रुपये अवैध कमाई की, जिसका कोई लेखा–जोखा नहीं। इसके अलावा 9 साल के लिए जीवनरेखा अस्पताल को 1.80 लाख में किराए पर दे दिया। इससे उन्होंने करोड़ों रुपये का किराया वसूला। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वक्फ बोर्ड ने साफतौर पर कहा है कि जो राशि वसूल की जाएगी, उसका उपयोग गरीब मुसलमानों के कल्याण और उनकी पढ़ाई पर किया जाएगा। बोर्ड का कहना है कि आरोपी ने नियमों का उल्लंघन कर लोगों के अधिकारों को नुकसान पहुंचाया है, ऐसे में यह पैसा उन्हीं पर खर्च होगा। बता दें कि यह कार्रवाई शिकायत के बाद की गई है। इससे अन्य वक्फ संपत्तियों की जांच का रास्ता खुल गया है।

झारखंड के देवघर में बस और ट्रक की टक्कर, 18 कांवड़ियों की मौत

रांची, (एजेंसी)। झारखंड के देवघर में मंगलवार सुबह बस और ट्रक के बीच टक्कर होने से करीब 18 कांवड़ियों की मौत हो गई है। सभी कांवड़िये देवघर में जलाभिषेक के लिए आए थे। हादसा सुबह करीब साढ़े 4 बजे गोड्डा–देवघर मुख्य मार्ग पर मोहनपुर थाना क्षेत्र के जमुनिया मोड़ के पास हुआ है। हादसे में करीब 20 लोग घायल हैं। हादसे की सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है। घायलों को अस्पताल भेजा गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कांवड़ियों को लेकर जा रही 32 सीट वाली बस गैस सिलेंडर ले जा रहे ट्रक से जमुनिया जंगल के पास टकरा गई थी। हादसे का कारण अंधेरा और तेज रफ्तार बताया जा रहा है, जिसके कारण वाहन अनियंत्रित हो गए और आपस में टकरा गए। मृतकों और घायलों की पहचान नहीं हो पाई है। हादसा इतना जबरदस्त था कि बस के परखच्चे उड़ गए हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक्स पर घटना की जानकारी देते हुए लिखा, श्मेरे लोकसभा क्षेत्र के देवघर में श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दौरान बस और ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण 18 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। बाबा बैद्यनाथ जी उनके परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

सीएम योगी पहुंचे गोरखनाथ मंदिर, कुश्ती प्रतियोगिता के विजेताओं को करेंगे पुरस्कृत

गोरखपुर, (एजेंसी)। मंगलवार दोपहर को सीएम योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ मंदिर पहुंचे। विधिवत पूजन हवन किया। सीएम योगी गोरखनाथ मंदिर में आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। वह विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे। बुधवार को लखनऊ लौट जाएंगे। नागपंचमी के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में दो दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार को हुआ था। इसमें प्रदेशभर के पहलवान हिस्सा ले रहे हैं। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी आले हैदर ने बताया कि प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। इस दौरान वह पहलवानों को संबोधित भी करेंगे। इसके साथ ही विजेता पहलवानों को विभिन्न पुरस्कार देकर उनका हौसला बढ़ाएंगे।मंगलवार को दोपहर बाद सीएम योगी आदित्यनाथ गोरखपुर पहुंचेंगे। वह नाग पंचमी पर होने वाली कुश्ती प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे। नाग पंचमी के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर परिसर में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित है। मुख्यमंत्री दोपहर बाद लगभग 2 बजे गोरखपुर पहुंचेंगे। बता दें कि नाग पंचमी के अवसर पर दशकों से गोरखनाथ मंदिर में कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। पहले यह प्रतियोगिता दो दिनों की होती थी लेकिन अब तीन दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भी हर साल इसमें शामिल होते हैं और विजेताओं को पुरस्कृत करते हैं। मुख्यमंत्री के यहां दोपहर बाद पहुंचने की संभावना है, सीएम 3 बजे कुश्ती प्रतियोगिता में शामिल होंगे और वहां मौजूद लोगों को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री के सामने ही कुश्तियों का फाइनल मुकाबला होगा।

बिहार एसआईआर में बड़े पैमाने पर बहिष्कार हुआ तो हस्तक्षेप करेंगे : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने की संभावना पर विशेष टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि अगर मसौदा सूची में बड़े पैमाने पर बहिष्कार होगा तो कोर्ट हस्तक्षेप करेगा। पीठ ने बिहार एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 12 अगस्त और 13 अगस्त को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने कोर्ट को बताया कि चुनाव आयोग का कहना है कि 65 लाख लोगों ने एसआईआर फॉर्म जमा नहीं किए हैं, ऐसे में उनके मरने या पलायन की संभावना है।

भूषण ने कहा कि ऐसे लोगों को सूची में शामिल होने के लिए दोबारा से आवेदन करना होगा। इस पर न्यायमूर्ति ने कहा कि चुनाव आयोग कानून के अनुसार काम करेगा और कोर्ट चिंताओं पर सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति बागची ने कहा, अगर कोई एसआईआर नहीं था, तो जनवरी 2025 की सूची शुरुआती बिंदु है। मसौदा सूची चुनाव आयोग प्रकाशित करेगा। आपकी आशंका है कि 65 लाख मतदाता इसमें शामिल नहीं होंगे। आयोग 2025 की प्रविष्टि के संबंध में सुधार की मांग कर रहे हैं। हम न्यायिक प्राधिकारी के रूप में इस मामले की समीक्षा कर रहे हैं। अगर बड़े पैमाने पर बहिष्कार हुआ, तो तुरंत हस्तक्षेप करेंगे। 15 लोगों को लाकर बताओ कि वे जीवित हैं। चुनाव आयोग बिहार एसआईआर को लेकर मसौदा सूची 1 अगस्त को प्रकाशित करेगा, जिसे रोकने का अनुरोध कोर्ट से किया गया था।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी गोलाबारी में अनाथ हुए 22 बच्चों को गोद लेंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी गोलाबारी में अपनों को खोने वाले 22 बच्चों की शिक्षा का जिम्मा लेंगे। यह जानकारी जम्मू–कश्मीर कांग्रेस प्रमुख तारिक हामिद कर्रा ने दी है। उन्होंने बताया कि राहुल ने पुंछ के उन 22 बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाने का फैसला किया है, जिन्होंने पाकिस्तानी गोलाबारी में अपने अभिभावक या परिवार के एकमात्र कमाने वाले को खो दिया है। सूत्रों ने कर्रा के हवाले से बताया कि बच्चों के लिए सहायता की पहली किस्त बुधवार को जारी होगी ताकि बच्चे अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। उन्होंने बताया कि बच्चों के लिए राहुल की यह सहायता इनके स्नातक होने तक जारी रहेगी। राहुल ने मई में पुंछ दौरे के दौरान स्थानीय नेताओं से ऐसे बच्चों की सूची तैयार करने को कहा था। पार्टी नेताओं ने सर्वेक्षण और सरकारी रिकॉर्ड की जांच के बाद बच्चों के

नाम तय किए हैं। भारत–पाकिस्तान तनाव के समय जम्मू–कश्मीर का पुंछ शहर सीमा पार गोलाबारी से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ था। यहां एक धार्मिक स्कूल जिया उल अलूम पर गोलीबारी से 6 बच्चे घायल हुए थे। पीड़ितों में एक बच्चे विहान भार्गव की छर्रे लगने से मौत हो गई थी। राहुल ने क्राइस्ट पब्लिक स्कूल का भी दौरा किया था, जहां 12 साल के जुड़वां बच्चे उरबा फातिमा और जैन अली भी हताहत हुए थे। उन्होंने बच्चों से खूब पढ़ने को कहा था। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकियों ने अचानक हमला कर 26 निर्दोष पुरुष पर्यटकों का धर्म पूछकर गोली मार दी थी। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान से राजनयिक रिश्ते तोड़ लिए और सिंधु जल समझौता रद्द कर दिया। भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू कर पाकिस्तान के अंदर 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। इसके बाद पाकिस्तान ने भी गोलाबारी की।

पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकी मारे गए - राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चल रही चर्चा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया। मैं आतंकियों को मार गिराने के लिए सुरक्षा बलों की सराहना करता हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा की तरह राज्यसभा में भी चर्चा शुरू की। उन्होंने कहा कि हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान में नागरिकों की जान को कोई नुकसान पहुंचाए बिना आतंकी शिविरों को नष्ट करने का विकल्प चुना। पाकिस्तान भारत में किसी भी लक्ष्य पर हमला नहीं कर सका। हमने सभी हमले रोक दिए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में नौ आतंकी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। 100 से अधिक

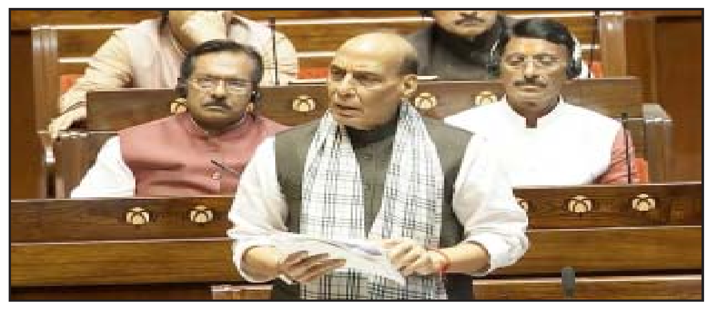

आतंकवादी, उनके आका और समर्थक मारे गए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को फिलहाल रोका गया गया है। अगर पाकिस्तान ने कोई और दुस्साहस किया तो इसे फिर से शुरू करने में संकोच नहीं किया जाएगा। देश की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी को रेखांकित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत में आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता है। सुरक्षा बलों को अपना लक्ष्य चुनने की पूरी स्वतंत्रता दी गई है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि भारत अपनी संप्रभुता और आत्मसम्मान की रक्षा करना जानता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान और आतंकवादी भारत को एक नरम देश समझते थे। ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि हम अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। ऑपरेशन सिंदूर एक गेम चेंजर साबित हुआ। भारतीय अब एक नरम राज्य के नागरिक नहीं हैं, बल्कि एक मजबूत राष्ट्र के नागरिक हैं। इससे पहले जब उच्च सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे दोबारा शुरू हुई तो उपसभापति हरिवंश ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की जाएगी और उन्होंने सदस्यों से इस मुद्दे की संवेदनशील प्रकृति के प्रति सचेत रहने का आग्रह किया। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने व्यवस्था का प्रश्न उठाने की कोशिश की, लेकिन हरिवंश ने यह कहते हुए इसकी अनुमति नहीं दी कि यह चर्चा के विषय से संबंधित नहीं है। टीएमसी सांसदों ने एसआईआर के खिलाफ नारे लगाए और कुछ सांसद वेल में भी आ गए। जब सभापति ने विपक्षी सांसदों को बोलने की अनुमति नहीं दी तो टीएमसी और कुछ अन्य विपक्षी गठबंधन इंडिया के दलों के सांसदों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

सहकारिता बनी भारत की नई ताकत : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में वीडियो संदेश के माध्यम से सहकारिता को भारत की नई ताकत बताया। उन्होंने कहा कि भारत में सहकारी समितियां अब सिर्फ पारंपरिक क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रहीं, बल्कि डिजिटल सेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा, जैविक कृषि और वित्तीय समावेशन जैसे नए क्षेत्रों में 'नवाचार' और आत्मनिर्भरता का माध्यम भी बन गई हैं। बता दें कि अमित शाह ने यह बात संयुक्त राष्ट्र में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में वीडियो संदेश के जरिए कही। कार्यक्रम का विषय था सहकारिता और सतत विकास। वीडियो संदेश में शाह ने कहा कि भारत में 2025 तक 8.4 लाख से अधिक सहकारी समितियों से जुड़े 32 करोड़ सदस्य सक्रिय हैं। समितियों ने किसानों को सीधे वैश्विक बाजारों से जोड़ा है, ब्रांडिंग, मार्केटिंग और निर्यात लाभ देती हैं, जिससे उत्पादक स्थानीय से

ग्लोबल स्तर तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल नवाचार जैसे एआई, एम–स्ट्राइप्स आदि ने सहकारी समितियों को और समावेशी बनाया है। त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय सहकारी नीति 202–545 जैसे कदम इस आंदोलन को पारदर्शी, उत्तरदायी और भविष्य.उन्मुख बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। शाह ने कहा कि भारत में सहकारिता सेवा, रोजगार और नवाचार का आधार बन रही है और यही मॉडल समावेशी विकास को वैश्विक पहचान दिला रहा है। अमित शाह ने यह भी कहा कि भारत की दुनिया की सबसे बड़ी अनाज संग्रहन योजना भी सहकारी समितियों के माध्यम से संचालित की जा रही है। यह योजना न सिर्फ खाद्य सुरक्षा को मजबूत करती है, बल्कि किसानों को बेहतर मूल्य और संगठित बाजार भी उपलब्ध कराती है। इसके साथ ही समावेशी विकास का संदेश देते हुए शाह ने कहा कि सहयोग का मॉडल सेवा, आत्मनिर्भरता, रोजगार और नवाचार की मजबूत नींव रखता है, जिससे हर भारतीय विकास में भागीदार और लाभार्थी दोनों बन रहा है। वहीं कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि परवथनेनी हरीश ने बताया कि भारत सरकार ने एआई जैसी तकनीकों को सहकारिता में लाकर इस क्षेत्र को और भी प्रभावी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं।

हमारी विदेश नीति पूरी तरह से फेल कहां गायब हुए पहलगाम आतंकी : अखिलेश यादव

लखनऊ, (एजेंसी)। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में बार–बार आतंकवादी घटनाएं क्यों हो रही है। पहलगाम में आतंकी घटना हुई। उसके पहले पुलवामा में जवानों पर हमला हुआ। पहलगाम में हमला करने वाले आतंकवादी कहां गायब हो गए। अखिलेश यादव ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि हम ऑपरेशन सिंदूर में सेना की बहादुरी, साहस और पराक्रम के लिए बधाई देते है। फौज को अगर और मौका मिलता तो हो सकता था कि वे पाक अधिकृत कश्मीर भी ले लेते। अखिलेश यादव ने कहा कि केंद्र सरकार की विदेश नीति के असफल रही है। भारत का दुनिया के बहुत देशों में सम्मान है, लेकिन जब जरूरत पड़ी तो भारत के साथ कोई खड़ा नहीं हुआ। यह चिंता

का विषय है कि कई देश हमारे साथ व्यापार कर रहे है, लेकिन जरूरत के समय खड़े क्यों नहीं हुए। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा है कि सीतापुर की मिश्रिख नैमिषारण्य नगर पालिका परिषद उपचुनाव में पार्टी की उम्मीदवार रामदेवी ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। इसमें आपत्तियों को न बताकर सत्तापक्ष के लोग हार के डर से पर्चा निरस्त करा रहे हैं। श्याम लाल पाल ने कहा कि रिटर्निंग आफिसर सत्तापक्ष के दबाव में काम न करें।

फिर से नीतीश कुमार ही बनेंगे बिहार के सीएमय दो दिन पहले सरकार के समर्थन पर जताया था अफसोस : चिराग पासवान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने सोमवार को कहा कि बिहार के विधानसभा चुनावों के बाद नीतीश कुमार ही फिर से

मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। पासवान की यह टिप्पणी नीतीश कुमार सरकार का समर्थन करने पर अफसोस जताने के दो दिन बाद आई है। दो दिन पहले उन्होंने आरोप लगाया था कि नीतीश सरकार ने अपराधियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बात करते हुए, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि ऑपरेशन सिंदूर के मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करने के लिए सेना को निशाना बनाया जा रहा है। पासवान ने कहा, एनडीए चुनावों के लिए एक विजयी गठबंधन है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। चिराग ने कहा, मैंने कई बार दोहराया है कि मेरी प्रतिबद्धता और प्रेम प्रधानमंत्री के प्रति है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, बिहार में चुनाव लड़े जाएंगे। चुनाव परिणामों के बाद, नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर पासवान ने कहा कि यह प्रक्रिया पहले चार बार हो चुकी है और इसमें कोई अंतर नहीं आया है, सिवाय इसके कि अब डिजिटल तकनीक को जोड़ दिया गया है।

सुरक्षाचूक को लेकर कौन लेगा जिम्मेदारी- प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हो रहे बहस के दौरान केंद्र सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के पीछे की सुरक्षाचूक को रेखांकित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम की बायसरन घाटी में सुरक्षा वहां क्यों नहीं थी? क्या सरकार को मालूम नहीं था कि हजारों लोग वहां जाते हैं। लोग सरकार के भरोसे गए और सरकार ने उन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया। ये किसकी जिम्मेदारी किसकी थी? सदन में अपने भाषण के दौरान प्रियंका गांधी ने अपनी मां सोनिया गांधी का जिक्र करते अमित शाह के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि गृह मंत्री ने आज मेरी मां के आंसुओं की बात की। मैं इसका जवाब देना चाहती हूं। मेरी मां के आंसू उस दिन गिरे थे, जब आतंकियों ने मेरे पिता की हत्या कर दी थी। उन्होंने आगे कहा कि आज जब मैं पहलगाम हमले के 26

पीड़ितों की बात करती हूं, तो इसलिए क्योंकि मैं उनके दर्द को महसूस करती हूं। मैंने भी अपना पिता खोया है, इसलिए मुझे पता है कि दुख क्या होता है। प्रियंका गांधी ने पहलगाम हमले को लेकर आगे केंद्र सरकार पर गंभीर सवाल भी उठाए हैं। उन्होंने कहा कि उस जगह पर एक भी सुरक्षाकर्मी मौजूद क्यों नहीं था? क्या नागरिकों की सुरक्षा प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री की जिम्मेदारी नहीं है? प्रियंका गांधी ने कहा कि जिस जगह हादसा हुआ, वह पर्यटकों का लोकप्रिय स्थान है, फिर भी वहां सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं थे। उन्होंने केंद्र से पूछा कि सरकार ने इस लापरवाही पर अब तक जवाब क्यों नहीं दिया। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों की जान की जिम्मेदारी सरकार की होती है, और इस मामले में कड़ी जांच और जवाबदेही जरूरी है। प्रियंका गांधी ने आगे केंद्र सरकार पर जनता की चिंता छोड़ केवल प्रचार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह सरकार हमेशा सवालों से बचती है। इन्हें देश के नागरिकों के प्रति कोई जवाबदेही महसूस नहीं होती। सच तो यह है कि इनके दिल में जनता के लिए जगह ही नहीं है। इनके लिए सब कुछ राजनीति और प्रचार है। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार सिर्फ इवेंट और छवि बनाने में व्यस्त है, जबकि जनता की समस्याओं और सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों पर चुप्पी साध ली जाती है।

संपादकीय

तकनीक और छंटनी

पिछले कुछ वर्षों में भारत में बड़े पैमाने पर होने वाले तकनीकी परिवर्तनों के प्रति खासा उत्साह देखा गया है। देश में सामाजिक व आर्थिक स्तर पर तेजी से डिजिटल परिवर्तन को जनसाधारण ने भी उत्साह के साथ अंगीकार किया है। इस उम्मीद के साथ कि बदलते वक्त के साथ कदमताल करना अपरिहार्य है। आकांक्षा यह भी कि तकनीकी बदलाव के दौर में दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश में रोजगार के नये अवसर भी सृजित हों। ऐसे परिदृश्य में देश की प्रतिष्ठित मानी जाने वाली टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी टीसीएस द्वारा बारह हजार से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा एक परेशान करने वाला घटनाक्रम है। यह संख्या संस्था के कुल कार्यबल का दो फीसदी बैठता है। निस्संदेह, छंटनी का यह फैसला आईटी क्षेत्र में आसन्न संकट की आहट को ही दर्शाता है। कहा जा रहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से प्रेरित तकनीकी हस्तक्षेप और वैश्विक स्तर पर मांग को लेकर उत्पन्न अनिश्चितताओं के चलते भारत की प्रतिष्ठा का पर्याय रहा आईटी सेवा उद्योग संरचनात्मक बदलाव की ओर बढ़ रहा है। इस बाबत टीसीएस की दलील है कि इन नौकरियों में कटौती कौशल की कमी और अपने विकसित होते व्यावसायिक मॉडल में कुछ कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करने में असमर्थता के चलते की गई है। हालांकि, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का दावा है कि इस कदम के पीछे एआई से प्रेरित उत्पादकता वृद्धि नहीं है। उद्योग या बाजार की प्राथमिकताएं भी नहीं हैं। लेकिन मौजूदा समय में यह कदम लागत–अनुकूलन पहलों के चलते अन्य आईटी सेवा कंपनियों में भी छंटनी को बढ़ावा दे सकता है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारोबार के नियमों में मौलिक बदलाव के चलते, भविष्य के लिये तैयार रहना हर व्यावसायिक उद्यम के एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इस नई हकीकत को देखते हुए, एक सवाल सबसे ज्यादा विचलित करने वाला यह है कि यह तकनीकी बदलाव अनिवार्य रूप से कर्मचारियों की कीमत पर होना चाहिए? बताया जाता है कि टीसीएस ने एआई को उन्नत करने और प्रशिक्षण में भारी निवेश किया है। इसके उपरांत बताया जा रहा है कि अब वह कई माध्यम से वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को सेवा में बनाये रखने में असमर्थता जता रही है। यह मानना कि नई तकनीक के साथ संवेदनशील समायोजन हमेशा लाभदायक नहीं रहता, की सोच ने एक खतरे की घंटी बजा दी है। देश के बड़े व छोटे व्यवसायों द्वारा नए तकनीकी मॉडल को आंख बंद करके अपनाने से एक परेशान करने वाले परिदृश्य का खतरा सामने नजर आ रहा है। इन उद्योगों को चिंता है कि तकनीकी बदलाव की स्पर्धा के इस परिदृश्य में कहीं वे पीछे न रह जाएं। इस अनिश्चित समय में, एक उम्मीद की किरण,यदि कोई है, तो वह है भारत का पिछले कुछ वर्षों में बड़े पैमाने पर सफलता से तकनीकी परिवर्तन को स्वीकार करना। देश ने हर सामाजिक और आर्थिक स्तर पर तेजी से डिजिटल तकनीक को सहजता से स्वीकार किया है। एआई को अपनाने के लिये उसी तरह सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के समर्थन–सहयोग की आवश्यकता है। सार रूप में कहें तो एक भारतीय दृष्टिकोण, जो मानव संसाधन और परिवर्तन के अनुकूल होने की उसकी क्षमता को महत्व देता है। निस्संदेह, भारत एआई के उपयोग के मामले में अमेरिका व यूरोप नहीं हो सकता।

कम्बोडिया-थाईलैंड संघर्ष और सुलह के सवाल

अकाश

हाल ही में प्राचीन शिव मंदिर प्रीह विहियर को लेकर कम्बोडिया और थाईलैंड में जंग छिड़ गयी थी। दोनों ओर जान–माल का नुकसान हुआ। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने शांति स्थापना करवाई है। मगर, मलेशिया और चीन ने कहा कि उनकी पहल पर ही शांति वार्ता संपन्न हुई। भगवान शिव किसके हैं? उनकी आराधना से जुड़ा मंदिर किसका है? इसे लेकर कम्बोडिया और थाईलैंड में जंग छिड़ी और कुछ समय के लिए रुक गई। ट्रम्प इस जंग के रेफरी थे। ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि एशिया में दो लड़ते देशों के बीच उन्होंने शांति स्थापना की है। वार्ता के लिए मुलाकात की थी। हुन मानेट ने ट्रम्प की 'निर्णायक' भूमिका की भी प्रशंसा की और कहा कि हमारे देश और पड़ोसी थाईलैंड के बीच 'विश्वास और भरोसे का पुनर्निर्माण' होगा। थाईलैंड के फुमथम, जिन्होंने पहले मलेशिया में वार्ता से पहले कंबोडिया की ईमानदारी पर संदेह व्यक्त किया था, ने कहा, कि थाईलैंड युद्धविराम पर सहमत हो गया है, जिसे 'दोनों पक्षों द्वारा सद्भावनापूर्वक लागू किया जाएगा।' दक्षिण–पूर्व एशिया के इन दो पड़ोसी देशों के बीच एक दशक से भी ज्यादा समय से संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। लड़ाई शुरू होने के चार दिन बाद, रविवार तक, मृतकों की संख्या 30 से

ज्यादा हो गई, जिनमें थाईलैंड में 13 और कंबोडिया में आठ नागरिक शामिल हैं। रविवार को स्कॉटलैंड में पत्रकारों से बात करते हुए, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि हमने दोनों देशों को चेतावनी दी है कि अगर शत्रुता जारी रही, तो वाशिंगटन के साथ भविष्य के व्यापार समझौते निलंबित कर दिए जाएंगे। थाईलैंड और कंबोडिया 817 किलोमीटर लंबी भूमि सीमा साझा करते हैं। साल 1904 में पहली फ्रैंको–सायामी संधि हुई और दूसरी 1907 में फ्रांसीसी तृतीय गणराज्य और सियाम (वर्तमान थाईलैंड) के बीच हुई। इस संधि के तहत सियाम ने कंबोडिया के कुछ हिस्सों को फ्रांस को सौंप दिया, और फ्रांस ने सियाम को कुछ क्षेत्र वापस कर दिए। मगर, इस सीमा निर्धारण में 11वीं सदी में खमेर राजाओं द्वारा निर्मित प्राचीन शिव मंदिर प्रीह विहियर परिसर आ चुका था। इस पर विवाद के क्रम में कंबोडिया ने अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय से मांग की थी कि वह इस मंदिर पर अधिकार का फैसला उसे दे, और थाईलैंड को साल 1954 से वहां तैनात अपने सैनिकों को हटाने का आदेश दे। 15 जून, 1962 को हेग स्थित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने अंतिम निर्णय में कहा, कि साल 1904 की फ्रैंको–सायामी संधि के हवाले से एक संयुक्त सीमा–निर्धारण आयोग बनाया गया था, जिसके बनाए नक्शे में उस मंदिर को कंबोडिया की सीमा में दिखाया गया था। न्यायालय को इसके भी प्रमाण मिले कि थाईलैंड ने वास्तव में उस नक्शे को स्वीकार किया था, कि प्रीह विहियर मंदिर कंबोडियाई क्षेत्र में आता है। लेकिन थाईलैंड पलट गया, और कोर्ट से कहा कि अगर स्वीकार किया, तो गलत धारणा में किया। हेग स्थित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने यह भी कहा, कि थाईलैंड को वहां तैनात अपनी सैन्य या पुलिस टुकड़ियों को हटाना होगा। 46 साल बाद, 7 जुलाई, 2008 को, प्रीह विहियर को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया गया था, जिसमें इस मंदिर को कंबोडियाई क्षेत्र में माना गया। इसे लेकर थाईलैंड भड़क चुका था। यह मामला एकबार फिर हेग सुनवाई के लिए चला गया। पांच साल बाद, 2013 में दिये एक और फैसले में आईसीजे ने कंबोडिया का पक्ष लिया, जो थाईलैंड को मान्य नहीं था। बैंकॉक का कहना है कि उसने कभी भी अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं दी है, और वह द्विपक्षीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता देता है। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक प्रतिद्वंद्विता खेल, भोजन और पहनावे तक फैल गई। थाई राष्ट्रवादी, कम्बोडिया को 'क्लेम्बोडिया' बोलते हुए, उसके द्वारा की गई 'सांस्कृतिक चोरी' की निंदा करते हैं।

पहले, भारत–पाकिस्तान, फिर ईरान–इस्राइल, और अब कम्बोडिया–थाईलैंड। व्हाइट हाउस ने पूरी दुनिया को सन्देश देने की कोशिश की है कि ट्रम्प की धमकी काम कर गई। मगर, मलेशिया और चीन ने भी दावा किया है, कि उनकी पहल पर थाई–कम्बोडिया के बीच शांति वार्ता संपन्न हुई। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा कि थाईलैंड और कंबोडिया ने 'तत्काल और बिना शर्त' युद्धविराम पर सहमति जताई है। सोमवार को मलेशिया की प्रशासनिक राजधानी पुत्रजया स्थित प्रधानमंत्री अनवर के आवास पर थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई और कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने युद्धविराम

खेल में उम्र और भाग्य का खेला

अमित

अगर जोकोविच को समय और उम्र ने हराया है, तो सिराज पर मौसम की मार पड़ी है, जिसका माध्यम बनी लेदर की एक बॉल और उसका अप्रत्याशित मार्ग, जिसने भारत को मुकाबले से बाहर कर डाला। हाल के दिनों में खेल मुकाबलों में दो ऐसे दृश्य देखने को मिले जो एक खिलाड़ी का दिल तोड़ने वाले भावावेशों के अलग–अलग रंग दर्शा गए। एक सीन था विंबलडन सेमीफाइनल का और दूसरा लॉर्ड्स टेस्ट मैच के रोमांचक अंतिम क्षणों का। विंबलडन सेंटर कोर्ट में नोवाक जोकोविच को यह अहसास होते हुए देखना कि खेल में हार प्रतिद्वंद्वी जैक सिनर की युवा ऊर्जा से ज्यादा उनकी अपनी उम्र और समय की वजह से हुई है, टेनिस प्रशंसकों के लिए एक दुखदायक पल था। जोकोविच, वह शख्स जिसने दुनिया को लचीलेपन और अजेयता का मतलब सिखाया, पराजय एकदम निश्चित लगने के बावजूद कभी हार न मानने वाला यह खिलाड़ी, उस दिन मैच खत्म होने से काफी पहले एक हारा हुआ जुआरी प्रतीत हो रहा था। उनकी फुर्ती सुस्त पड़ती दिखाई दी। वह बंदा जो मानो पाले में उड़ता हो, स्पीड–स्केटिंग करके असंभव लगने वाली गेंदों का भी पीछा करके शॉट लगा देता हो, अब उसे गेंद तक पहुंचने में मुश्किल हो रही थी। असंभव कोणों से लगाए जाने वाले विनर शॉट्स की झड़ी छिटक चुकी थी। समय, जो तमाम जीवित चीजों का शाश्वत शत्रु है, ने सचमुच उन्हें शिथिल बना डाला था। उसके व्यथित चेहरे पर उस व्यक्ति का दुःख झलक रहा था जिसने आसन्न मृत्यु देख ली हो और जिससे वापसी संभव नहीं। उस दिन जोकोविच को एक ऐसे व्यक्ति ने धूल चटाई जो युवा, तरोताजा, ऊर्जावान, शक्तिशाली और आत्मविश्वास से लबरेज था। सिनर के पैरों की चपलता, उसकी प्रहार शक्ति और प्रतिद्वंद्वी को निगल जाने की भूख, जो किसी प्रतिभाशाली, महत्वाकांक्षी, एकाग्रचित्त और महानता पाने के इच्छुक खिलाड़ी की पहचान होती है– इसको अनदेखा करना असंभव था। उन नाजुक क्षणों में जोकोविच ने महसूस किया होगा कि जीवन कितना नाजुक हो सकता है और अमरता केवल किस्से–कहानियों में ही हासिल की जा सकती है, भौतिक जगत में नहीं। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में, वे इस नई वास्तविकता को मानने और स्वीकार करने के मूड में लगे। एक सर्वोच्च धावक जोकोविच, जिन्होंने अपनी फुर्ती से कई बार रोजर फेडरर के जादुई कौशल पर पार पाया था और राफेल नडाल की लड़ाकू प्रवृत्ति को कुंद कर डाला था, अब शरीर को अपने आदेशों के मुताबिक चला नहीं पा रहे थे। अपने लंबे और शानदार टेनिस जीवन में पहली बार, उन्होंने अंत देखा था। मन अभी भी तैयार–बर–तैयार था, लेकिन वह शरीर जिसने 38 सालों तक दुनिया के कई प्रहारों और तीरों का सामना किया हो, उसने भी आखिरकार अपने हाथ खड़े कर दिए। हालांकि, उन्होंने वापसी का वादा किया, वे उस खेल से कैसे मुंह मोड़ सकते हैं, जिसने उन्हें उतना ही सहारा दिया, जितना खुद उन्होंने इस खेल को, उनको लेकर किसी को भी संदेह नहीं रहा कि वे एक गौरवशाली एवं चमकदार सूर्य की बजाय, अब एक डूबता हुआ सितारा हैं। एक पखवाड़े बाद, विंबलडन के सेंटर कोर्ट से ज्यादा दूर नहीं, जहां जोकोविच हजारों नम आंखों और तालियों की गड़गड़ाहट और प्रशंसा के बीच विदा हुए थे, दो टीमों के बीच एक अति रोमांचक और कांटे का मैच चल रहा था, दोनों में जीतने का फौलादी जज्बा और बिना लड़े हार न मानने का दृढ़ संकल्प था। टेनिस के विपरीत, जिसमें मैच का भाग्य और हार–जीत की जिम्मेदारी एक ही व्यक्ति के हाथ में होती है, क्रिकेट एक टीम आधारित खेल है जिसमें 22 लोगों का सामूहिक योगदान मैच का भाग्य तय करता है। भले ही यह टीम गेम हो, तथापि, इस खेल में किसी एक खिलाड़ी के प्रदर्शन का जश्न भी उतना ही मनाया जाता है जितना कि व्यक्तिगत खेलों में। इंग्लैंड और भारत के बीच शृंखला का तीसरा मैच, लॉर्ड्स टेस्ट, जो पूरे पांच दिनों तक संगीत की धुन की तरह कभी बहुत ऊंचे तो कभी बिल्कुल धीमे सुरों की तरह चला, जिसने मैदान पर और इससे बाहर लाखों लोगों का ध्यान खींचा। कांटे के इस तीव्र मुकाबले ने जो अनेकानेक छवियां उत्पन्न कीं, उनमें एक थी जीवट वाले मोहम्मद सिराज के अंतिम बैटिंग क्षण, जब वे कूबड़ निकाल घुटनों के बल बैठे हुए हैं, पीछे विकेट से गिल्ली उड़ी पड़ी है, अटल इच्छाशक्ति का भाग्य के हाथों हार जाने का प्रतीक बना यह दृश्य स्मृति में छपा रहेगा। जोकोविच के विपरीत, हृष्ट–पुष्ट सिराज अपने कौशल के शिखर पर हैं। ऊर्जा से भरपूर और आक्रामक तेवरों से लैस सिराज बल्लेबाजों को क्रीज से उखाड़ने के लिए दौड़ते हुए, कभी हार न मानने वाले खिलाड़ी हैं। विपरीत परिस्थितियों में उनका प्रदर्शन और भी बेहतर हो जाता है। लॉर्ड्स मैदान में भी उन्होंने भारत के लिए अपनी भूमिका बखूबी निभाई, जबरदस्त गेंदबाजी और फुर्तीला क्षेत्ररक्षण। जब आखिरी क्रम में बल्लेबाजी करने आए, तब भारत को मैच जीतने के लिए 46 रनों की जरूरत थी, एक ऐसा लक्ष्य जो उनके लिए असंभव लग रहा था। लगभग एक घंटे से ज्यादा समय तक, सिराज ने रक्षात्मक बैटिंग कायम रखी, बाउंसर गेंदों से नीचे झुककर या पीठ पीछे की ओर मोड़कर निजात पाई, यहां तक कि कुछेक वार शरीर पर सहे, मानो किसी स्वर्ण कोष की रक्षा कर रहे हों, ताकि साथी बैट्समैन रवींद्र जडेजा को सलामत रखते हुए भारत को जीत के लक्ष्य तक पहुंचाया जा सके। ठीक उस वक्त जब ऐसा लगने लगा मानो चमत्कार होने ही वाला है, तब शोएब बशीर ने हाथ की हड्डी में चोट के बावजूद एक बेहद ओवर–स्पिनिंग गेंद फेंकी, जिसका सामना सिराज ने एक मंजे हुए।

.... विविध ....

सद्भाव से सींचें मित्रता की बेल

कहने को तो आप अपने हजारों ऑफलाइन व ऑनलाइन मित्र गिना सकते हैं लेकिन सच्चे और अच्छे मित्र के नाम पर यह गिनती सामित ही होती है। संपर्क में आए सभी लोगों से हमारी मित्रता नहीं होती है। मित्र बनाने के गंभीर मसले को विवेक से हल करें। वहीं मित्रता हो जाये तो वह त्याग और सद्भावना से कायम रहती है। दो अक्षरों के शब्द 'मित्र' का मर्म जितना गहरा है, कर्म उतना ही कठिन है। जीवन यात्रा में हम आए दिन सैकड़ों लोगों से मिलते हैं और अब तो फेसबुक भी हमें हजारों दोस्तों के संपर्क में ला रहा है। उनसे हमारे संबंध विभिन्न स्तरों पर बनते हैं और बिगड़ते भी हैं। अपरिचित भी परिचित बन जाते हैं और कभी–कभी परिस्थितिवश परिचित भी अपरिचित–से लगने लगते हैं। संपर्क में आए सभी लोगों से हमारी एक–सी ही आत्मीयता, घनिष्ठता या मित्रता नहीं होती, यह संभव भी नहीं है। कई लोग मित्र बनाने में बहुत जल्दबाजी से काम लेते हैं। उनका परिचय तुरंत मित्रता में बदल जाता है और वे इसे अपनी विशेषता मानते हैं, लोकप्रियता मानते हैं। हो सकता है कि जल्दबाजी में हुई आपकी इस घनिष्ठता ने आपको एक सच्चा मित्र दे दिया हो, पर यह अपवाद भी हो सकता है। लेकिन अपवादों से जीवन नहीं जिया जाता। हो सकता है कि जल्दबाजी में हुई आपकी मित्रता का सूत्र ढीला हो और बुनियाद खोखली। बाद में आपको लगे कि आप मित्र बनाने की कला में पारंगत नहीं और धोखा खा गए।

अच्छा मित्र बनाने में बरतें गंभीरता

सच्चा मित्र पा लेने का मतलब जिंदगी की जंग जीत लेने जैसा होता है। कभी–कभी किसी के प्रति मन चुंबक की भांति आकर्षित होता है। जिस व्यक्ति को आप मित्र बनाना चाहते हैं, वह भी आपका मित्र बनने को उत्सुक होता है। कभी–कभी अपना मन भी साक्षी दे देता है और इंट्यूशन काम कर जाती है। कई बार ऐसा भी होता है कि आप स्वयं कितने ही अच्छे मित्र क्यों न हों, पर यदि आपका मित्र आपके प्रति निश्छल नहीं है तो आपका सारा प्रयास व्यर्थ साबित हो जाता है। अच्छा और सच्चा मित्र बनाने के इस गंभीर मसले को बड़ी गहराई और विवेक से हल करें। दूरदर्शिता और पैनी दृष्टि का सहारा लेकर यह मापने का प्रयत्न करें कि अमुक व्यक्ति की मित्रता आपके हक में ठीक है भी या नहीं?

मित्र आपके व्यक्तित्व के परिचायक

आपके मित्र आपके व्यक्तित्व के परिचायक होते हैं। आप कैसे लोगों से मिलते हैं, आपकी मित्रता कैसे लोगों से है, इससे लोग अंदाजा लगा लेते हैं कि आप स्वयं किस प्रकार के इंसान हैं। वहीं कहते हैं मित्रविहीन मनुष्य के लिए अपनी कठिनाइयों पर विजय पाना बहुत मुश्किल होता है। इसलिए एक अच्छे मित्र का होना आवश्यक है, पर एक बुरे मित्र से मित्र का न होना ही बेहतर है।

सद्भावना से सींचें मित्रता की बेल

कई बार किसी अच्छे मित्र का नाम लेकर लोग मिसालें दिया करते हैं – दोस्त हो तो ऐसा, देखो भई दोस्तीा इसे कहते हैं आदि–आदि। सज्जन लोगों ने अच्छे मित्रों के लक्षण बताते हुए कहा है कि एक अच्छा मित्र अपने मित्र के गुणों को प्रकाश में लाने का प्रयास करता है। अपने मित्र को उसकी अच्छाइयों और बुराइयों के साथ अपनाता है। अच्छे मित्र पैदा नहीं होते, बनाए जाते हैं। मित्रता की बेल को सहयोग और सद्भावना से सींचते रहना पड़ता है। सबसे बड़ी बात है कि दो मित्रों का एक–दूसरे पर विश्वास हो और संवेदनशील दृष्टिकोण हो। एक सच्चा मित्र प्रतिशोध और प्रतिस्पर्द्धा की भावना कभी नहीं रखेगा। मित्र की सफलताएं उसके मन में ईर्ष्या और द्वेष उत्पघ्न नहीं करेंगी, बल्कि वह उनसे गौरवान्वित महसूस करेगा।

एक अच्छा मित्र बनने के लिए बहुत जरूरी है कि अपने बड़प्पन, मान–सम्मान और धन–दौलत के सामने मित्र को कदापि छोटा नहीं महसूस होने देना। कृष्ण और सुदामा की मित्रता कुछ इसी संदर्भ में याद की जाती है। यानी मित्र आपस में हर छोटी–मोटी गलती को मुद्दा न बनाएं।

दोस्त को दें उसका स्पेस

मित्रता को 'टेकन फॉर ग्रांटेड' मानकर मित्र की हर बात में इतनी दखलंदाजी भी न करें कि वह आपसे बोर हो जाए। आपकी समझदारी और दूरदर्शिता इसी में है कि आप सीमाओं का उल्लंघन न करें, मित्र को उसका स्पेस देने की बात हमेशा अपने जेहन में रखें। तभी आपकी मित्रता स्थिरता, प्रौढ़ता और परिपक्वता पा सकेगी। कहीं ऐसा न हो कि आपकी नादानी से एक अच्छा मित्र बनने से रह जाए या सच्चा मित्र पाकर भी आप उसे खो दें। वहीं जरूरी नहीं है कि दो मित्रों की रुचि या उनके सभी शौक एक से हों। आपमें कई बातों पर मतभेद हो सकते हैं, तकरार भी हो सकती है, पर यदि आप में पारस्पघरिक अंतरंगता, निष्ठा और स्नेह है, तो कुछ क्षणों के लिए भले ही लगे कि मित्रता की डोर कट गई, पर यह तनाव अधिक देर तक नहीं ठहर सकेगा। दरअसल, अच्छे मित्र बाजार में नहीं बिकते कि आप मुंहमांगा दाम देकर दुकानदार से उसके अच्छे–बुरे की पूछताछ और मोलभाव करके उसे खरीद कर ला सकें।

नये बदलावों से चमकाएं घर का कोना–कोना

घर को आकर्षक बनाने की प्रक्रिया में कुछ हिस्से या कोने खाली व अनुपयोगी रह जाते हैं। उनकी नीरसता खटकती है लेकिन सजावट का तरीका सूझता नहीं। खाली दीवारें, गैलरी और स्टेयर्स के नीचे–ऐसी ही कुछ जगहें इनमें शामिल हैं। ऐसे में पेंटिंग, जिम, मल्टीटास्किंग रूम या फिर छोटी सी बैठक के रूप में इनको बेहतर लुक और थीम दे सकते हैं। अमूमन हम सभी की कोशिश रहती है कि घर का हरेक कोना आकर्षक बनाएं। लेकिन कई बार न चाहते हुए भी कुछ कॉर्नर या कुछ जगह छूट ही जाती हैं। जहां इंटीरियर के लिहाज से कोई फर्नीचर फिट नहीं बैठता। कई बार यह समझ नहीं आता कि क्या किया जाए। ऐसे में वह कॉर्नर खाली रह जाता है और अजीब–सा लगता है। लेकिन कुछ अलग फर्नीचर, सजावटी चीजों का कॉम्बिनेशन करके ऐसे खाली कॉर्नर में भी रंग भर सकते हैं। कुछ तरीके अपनाकर उसे परिवार के छोटे–बड़े सदस्यों के उपयोग योग्य बेहतर प्लेटफॉर्म बना सकते हैं।

शो–केस या शेल्फ सजाएं

घर के खाली कॉर्नर में आप शो–केस, शेल्फ या साइड कॉर्नर स्टैंड रख सकते हैं। इस शो–केस को कलात्मक वस्तुएं, स्टेच्यू, फोटोफ्रेम, सजावटी इंडोर प्लांट्स जैसी चीजों से सजा सकते हैं। ये शेल्फ स्पेस, इंटीरियर और अपनी पसंद के हिसाब से अलग–अलग डिजाइन के ले सकते हैं। ज्यादा न सही, तो एक टेबल या केबिनेट पर आप अपने टेस्ट का बड़ा स्टेच्यू भी रख सकते हैं। यह आपके खाली कॉर्नर को आकर्षक लुक दे सकते हैं। आप चाहें तो केबिनेट में जरूरी सामान भी रख सकते हैं।

पेंटिंग्स से दीवारों को नया लुक

दीवारों पर लगी पेंटिंग्स खाली कॉर्नर को रचनात्मक रंग से भर देती हैं। घर की दीवारों पर अपनी पसंद के मुताबिक पेंटिंग लगाकर आकर्षक बना सकती हैं। अलग–अलग शैलियों में बनी ये पेंटिंग्स भारतीय–पाश्चात्य कला का उदाहरण हो सकती हैं जिनसे न केवल सूनी दीवारों में नई जान आएगी, बल्कि वे आपकी कलात्मक अभिरूचि की भी परिचायक होंगी।

रखें इंडोर प्लांट

अगर आपकी रुचि गार्डनिंग में है, तो घर के खाली कॉर्नर को आप छोटे–बड़े आकर्षक गमलों में इंडोर प्लांट लगाकर सजा सकते हैं। उनमें भी आप रंग–बिरंगी पत्तियों वाले इंडोर प्लांट लगाएं। ये पौधे न केवल घर की खूबसूरती बढ़ाते हैं बल्कि ऑक्सीजन का संचार कर वातावरण शुद्ध बनाए रखने में मदद करते हैं। इंडोर प्लांट्स को ज्यादा देखरेख की भी जरूरत नहीं। रोजाना की धूप और पानी के बिना ये पौधे अंदर ही पनपते हैं।

दें एथनिक टच

अगर आपकी रुचि एथनिक फर्नीचर में है, तो आप अपनी पसंद के हिसाब से इस कॉर्नर को अलग एथनिक लुक भी दे सकते हैं। इंटीरियर में इसके लिए लो–फ्लोर कलरफुल फर्नीचर या कार्विंग फर्नीचर रख सकते हैं। जिनसे मेल खाते कलरफुल कुशन, कार्पेट, वॉल हैंगिंग, कठपुतलियों, लटकन जैसी चीजों से कॉर्नर को आकर्षक बना सकते हैं।

बनाएं डाइनिंग रूम

अगर यह कार्नर आपकी रसोई के पास है और आपकी फैमिली बड़ी नहीं है तो इस खाली कॉर्नर को डाइनिंग रूम में बदल सकते हैं। राउंड, स्क्वेयर शेप की छोटी–सी डाइनिंग टेबल रखकर आकर्षक लगने के साथ उपयोगी भी रहेगी। आप क्रॉकरी अलमारी बनवा सकते हैं। अमूमन हमारे पास रोजमर्रा काम आने वाले बर्तनों से इतर महंगी क्रॉकरी होती है जिन्हें संभालना कई बार परेशानी का सबब बन जाता है। उस खाली कॉर्नर का इससे बेहतर उपयोग और क्या हो सकता है।

दें छोटी बैठक का रूप

घर का यह कॉर्नर अगर थोड़ा बड़ा है तो आप इसे छोटी–सी बैठक में बदल सकते हैं। इसके लिए स्पेस और बजट के हिसाब से आप सोफा और टेबल या फिर आरामकुर्सी लगा सकते हैं। ताकि यहां बैठकर आप इत्मीनान के कुछ पल गुजार सकें और रिलेक्स हो सकें। अपनी छोटी–सी बैठक में आप टीवी या म्यूजिक प्लेयर भी सेट कर सकते हैं। या फिर अलमारी लगा सकते हैं जिसमें अपनी पसंद की किताबें, पत्र–पत्रिकाएं रख सकते हैं। इस एरिया में बैठकर घर के छोटे–मोटे कर सकते हैं जैसे– सब्जी काटना, कपड़े तह लगाना।

मल्टीटास्किंग एरिया

जरूरी नहीं कि घर में अलग स्टडी रूम या वर्क एरिया हो। तो क्यों न घर के खाली कॉर्नर को वर्क एरिया में तब्दील कर मल्टीटास्किंग एरिया में कंवर्ट कर लें। इसके लिए स्पेस के हिसाब से स्टडी टेबल और कंफर्टेबल कुर्सी रखें। टेबल के ऊपर हैंगिंग लैंप लगा सकते हैं जो लाइट तो देगा ही, आकर्षण का केंद्र भी बनेगा। साइट में छोटा–सा रैक या अलमारी भी आरेंज कर सकते हैं जिसमें लैपटॉप या मोबाइल चार्जर, स्टेशनरी, किताबों जैसा जरूरी सामान आसानी से रख सकते हैं।

अब पीजीआई की तरह केजीएमयू में भी मिलेगी इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी की सुविधा

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में भी अब पीजीआई की तरह इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी की सुविधा मिलेगी। रेडियोडायग्नोसिस और न्यूरोलॉजी विशेषज्ञ विशेष ओटी में मरीजों का

इलाज करेंगे। इसके लिए 18 करोड़ रुपये से हाइब्रिड ओटी बनाई जा रही है। केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो. केके सिंह ने बताया कि संस्थान को प्रदेश सरकार से उपकरण मद में 300 करोड़ रुपये मिले हैं। इससे कई जरूरी और आधुनिक उपकरण खरीदे जा रहे हैं। इसी राशि में से 18 करोड़ रुपये हाइब्रिड ओटी के लिए निकाले गए हैं। इस ओटी में इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के केस देखे जाएंगे। इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी तेजी से विकसित हो रहा क्षेत्र है। कई मामलों में यह पारंपरिक सर्जरी का सुरक्षित और प्रभावी विकल्प हो सकता है। इसमें छोटे चीरे या पंचर के माध्यम से कैथेटर शरीर में डाला जाता है। इमेज गाइडेड तकनीक जैसे– एक्सरे, सीटी स्कैन, एमआरआई और अल्ट्रासाउंड की सहायता से शरीर के भीतर डाले गए कैथेटर को देखा जाता है। इससे धमनी की रुकावट, वैरिकोज नस, रक्त के थक्कों का उपचार किया जाता है। इसमें छोटा चीरा लगने से मरीज को अस्पताल में ज्यादा रुकना नहीं पड़ता है। इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी से ट्यूमर को नष्ट करने और रक्त की आपूर्ति रोकने की प्रक्रिया की जा सकती है। इसके अलावा गुर्दे की पथरी नली के माध्यम से निकाली जा सकती है। पित्त नली की रुकावट का इलाज करने में भी इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी का इस्तेमाल किया जाता है।

वार्डों के पुनर्गठन के लिए ली जाएंगी आपत्तियां

लखनऊ, (संवाददाता)। अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव के लिए वार्डों के पुनर्गठन पर मंगलवार से आपत्तियां ली जाएंगी। दो अगस्त तक वार्डों के पुनर्गठन पर जिलों में आपत्तियां ली जाएंगी। फिर जिलाधिकारियों की अध्यक्षता वाली कमेटी आपत्तियों का निस्तारण करेंगे। ग्राम पंचायतों का पुनर्गठन करने के बाद अब 37 जिलों में वार्डों के पुनर्गठन की प्रक्रिया चल रही है। छह अगस्त से लेकर 10 अगस्त तक वार्डों के गठन की अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी। फिलहाल पंचायत चुनाव को लेकर ग्राम पंचायतों व वार्डों के पुनर्गठन की प्रक्रिया के बीच नगर विकास विभाग की ओर से नगर निकायों के गठन और सीमा विस्तार को लेकर लिखी गए पत्र के बाद भी कार्य जारी है। पंचायतीराज विभाग की ओर से राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर इस पर मार्गदर्शन मांगा गया है, क्योंकि पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है। फिलहाल पंचायतीराज विभाग पत्र का इंतजार करने के साथ ही वार्डों के गठन की प्रक्रिया भी शुरू किए हुए है। ऊहापोह की स्थिति के बावजूद अभी उसने अपना कार्य रोका नहीं है। 514 ग्राम पंचायतें कम हुई हैं और अब इनकी कुल संख्या 57695 हो गई है। प्रदेश में पंचायत चुनाव से पहले नगरीय सीमाओं का विस्तार होगा। इसके मद्देनजर वर्तमान में चल रही ग्राम पंचायतों के परिसीमन की प्रक्रिया और मतदाता सूची को संशोधित किए जाने के अभियान पर रोक लगना तय है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार संबंधित आदेश 1–2 अगस्त तक जारी हो जाएगा। पंचायतीराज विभाग ने 21 मई को शासनादेश जारी करके त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मद्देनजर नगर निकायों के सृजन एवं सीमा विस्तार पर रोक लगा दी थी। इतना ही नहीं ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों और जिला पंचायतों के वार्डों के परिसीमन के लिए विस्तृत कार्यक्रम भी जारी कर दिया है, जो 18 जुलाई से चल रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग ने भी 11 जुलाई को मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया। वहीं, 97 नए नगर निकायों के गठन और 107 के सीमा विस्तार के प्रस्ताव अभी पेंडिंग हैं। इसलिए नगर विकास विभाग ने पिछले सप्ताह पंचायतीराज विभाग से 21 मई के शासनादेश को रद्द करने का अनुरोध किया था। हालांकि, अभी तक सरकार की ओर से इस पर अंतिम निर्णय नहीं आया है। इससे पूर्व में जारी कार्यक्रम के अनुसार परिसीमन और मतदाता सूची संशोधित करने की प्रक्रिया चालू है। इस बारे में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि पहले नगरीय क्षेत्रों के विस्तार के प्रस्तावों पर विचार होगा। इससे भी यह माना जा रहा है कि चुनाव से संबंधित प्रक्रियाएं उसके बाद ही पूरी की जाएंगी।

संक्षिप्त खबरें

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लेगा आईटीआई छात्रों की परीक्षा

लखनऊ, (संवाददाता)। आईटीआई के छात्र अब सिर्फ वायरिंग, मशीनिंग और टूल्स तक सीमित नहीं रहेंगे... इस बार उनकी परीक्षा लेगा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस! जी हां, राजधानी के अलीगंज और चारबाग राजकीय आईटीआई में होने वाली वार्षिक परीक्षाएं इस बार तकनीक की नई उड़ान भरने जा रही हैं। 31 जुलाई से शुरू हो रही इन परीक्षाओं में छात्र कंप्यूटर पर बैठकर न सिर्फ अपने कोर्स से जुड़े सवाल हल करेंगे, बल्कि एआई जैसे आधुनिक विषयों के सवालों से भी दो–दो हाथ करेंगे। चारबाग आईटीआई के प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार बताते हैं, अब उद्योगों की मांग बदल रही है। इसलिए हमने पढ़ाई के दौरान ही छात्रों को नई तकनीकों से जोड़ा। प्रस्तावित वार्षिक परीक्षा में इस बार नए सवाल शामिल हो सकते हैं। इसलिए विद्यार्थी संबंधित पाठ्यक्रम के साथ ही नई तकनीक के बारे में पढ़ कर आएं। अलीगंज और चारबाग, दोनों में बजेंगी परीक्षा की घंटियां : पिछले साल सीबीटी (कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट) का स्वाद सिर्फ अलीगंज आईटीआई के छात्रों ने चखा था। लेकिन इस बार चारबाग आईटीआई को भी सेंटर बनाया गया है। अलीगंज राजकीय आईटीआई के प्रधानाचार्य राजकुमार यादव ने बताया कि इन दोनों संस्थानों में मिलाकर राजधानी के 11,500 से ज्यादा छात्र तीन पालियों में परीक्षा देंगे। प्रदेश में सोमवार से आईटीआई की ऑनलाइन शुरू हो गई हैं।

मरीज के इलाज में लापरवाही पर विनोद अस्पताल दोषी, लाइसेंस निरस्त

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर के विनोद हॉस्पिटल में हादसे में जख्मी मरीज के इलाज में घोर लापरवाही हुई थी। पैर में संक्रमण बढ़ने पर उसे आठ ऑपरेशन कराने पड़े। जांच में अस्पताल को दोषी पाए जाने पर सीएमओ ने उसका लाइसेंस निरस्त कर दिया है। गोमतीनगर के खरगापुर कौशलपुरी निवासी नीरज मिश्रा (35) वर्ष 2022 में सड़क हादसे में जख्मी हो गए थे। परिजनों ने उन्हें नजदीकी विनोद हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। दाहिने पैर की हड्डी टूटने पर वहां डॉक्टर ने ऑपरेशन करने की बात कही और एंबुलेंस से मरीज को कुर्सी रोड स्थित ग्रीन सिटी हॉस्पिटल भेज दिया था, जहां मरीज का ऑपरेशन कर पैर में रॉड डाली गई थी। ऑपरेशन के आधे घंटे बाद ही मरीज को दोबारा एंबुलेंस से विनोद हॉस्पिटल भेज दिया गया था। यहां करीब 14 दिन तक भर्ती रहने के बाद मरीज की हालत बिगड़ गई। उसे दूसरे अस्पताल में दिखाया तो डॉक्टर ने पैर सड़ने की बात बताई, जिसे सही करने के लिए आठ ऑपरेशन किए गए। इस दौरान लाखों रुपये खर्च हो गए। पीड़ित ने इसकी शिकायत सीएमओ ऑफिस में दर्ज कराई थी। जांच के लिए कमेटी बनी, जिसने विनोद हॉस्पिटल को दोषी पाया। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने कमेटी की संस्तुति पर अस्पताल का लाइसेंस निरस्त करते हुए संचालन पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं।

अफसरों की उदासीनता की शिकायतों के बाद सांसदों और विधायकों से मिले सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। सीएम योगी ने अफसरों और नेताओं के बीच सामंजस्य न होने के कारण रविवार को विकास परियोजनाओं के उद्घाटन से पहले बैठक की। इसमें झांसी,

कानपुर और चित्रकूट डिवीजन के अफसर व एमपी, एमएलए शामिल हुए। परियोजनाओं को अलग रूप देने से पहले जनप्रतिनिधियों के साथ रखे गए इस मंडलवार संवाद का विचार पिछली बैठकों से लिया गया था। आधिकारिक घोषणा की गई कि भविष्य में इसी प्रकार की बैठकें की जाएगी। यह बैठक अगले वर्ष के पंचायत चुनाव और 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अफसरों और जनप्रतिनिधियों के बीच की खाई को समाप्त करने के लिए किया गया था। सीएम आवास पर हुई बैठक में झांसी डिवीजन के लिए 4901 करोड़, चित्रकूट डिवीजन के लिए 3875 करोड़ और कानपुर डिवीजन के छह जिलों के लिए 10914 करोड़ आवांटित किया गया। जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र के अनुरूप योजनाएं व परियाजनाएं बनाने की स्वतंत्रता दी गई थी, जिससे क्षेत्र के सभी मुद्दों पर चर्चा की जा सके। विधायकों द्वारा विभिन्न परियोजनाओं का प्रस्ताव रखा गया, जिसमें सड़क, सिंचाई और धार्मिक संस्थान जैसे अहम विषय शामिल थे। सीएम ने सभी अधिकारियों से जनप्रतिनिधियों के विचार लेकर परियोजनाओं को अंतिम रूप देने को कहा है। सभी प्रतिनिधियों से कहा, आप लोग अपने क्षेत्र में सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं को लागू करने के साथ उसकी निगरानी भी करेंगे। उसके बाद उन्होंने एमपी और एमएलए से अफसरों के साथ सामंजस्य और जनता की उनसे उम्मीद के विषय में सुझाव लिया। सीएम ने अधिकारियों को आदेश दिया कि परियोजनाओं का शिलान्यास स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा कराया जाए।

सपा सांसद डिंपल पर टिप्पणी से नाराज महिलाओं ने मौलाना के खिलाफ दी तहरीर

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा सांसद डिंपल यादव पर टिप्पणी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मंगलवार को सपा की महिला सभा की राष्ट्रीय महासचिव प्रतिभा सिंह की अगुवाई में महिलाएं कोतवाली नगर पहुंची। तहरीर देने के बाद प्रतिभा सिंह ने कहा कि मौलाना साजिद रशीदी की सांसद डिंपल यादव पर की गई टिप्पणी आपत्तिजनक और महिलाओं का अपमान है। हमने तहरीर दी है। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। ये देश महिलाओं का अपमान नहीं सहेगा। वहीं, मामले पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की चुप्पी पर भाजपा ने निशाना साधा है। यूपी की महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्या ने कहा कि महिला सम्मान के खिलाफ मौलाना की टिप्पणी पर सपा अध्यक्ष की चुप्पी साबित कर रही है कि वोट के लालच में उनकी पार्टी किसी भी हद तक गिर सकती है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि नई दिल्ली की मस्जिद में हुई बैठक के बाद कुछ मुस्लिम धार्मिक नेताओं ने डिंपल यादव को राजनीतिक हिंदू महिला कहकर उनके पहनावे पर आपत्तिजनक टिप्पणी की।

संक्षिप्त खबरें

अवध बार एसोसिएशन का चुनाव, दो दिन रहेगा डायवर्जन

लखनऊ, (संवाददाता)। अवध बार एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव मंगलवार को चुनाव है। मतगणना बुधवार को होगी। इस दौरान हाईकोर्ट के आसपास ट्रैफिक डायवर्जन रहेगा। यातायात पुलिस ने सोमवार को डायवर्जन प्लान जारी किया। 1. हाईकोर्ट मोड़ से सामान्य यातायात आईजीपी की तरफ नहीं जाएगा। ये यातायात पॉलीटेक्निक चौराहा होते हुए जाएगा। हाईकोर्ट मोड़ से सामान्य यातायात हाईकोर्ट सर्विस लेन (गेट नं–3 व 4) होते हुए कमता की तरफ नहीं जाएगा। ये यातायात पॉलीटेक्निक चौराहा होते हुए जाएगा। आईजीपी चौराहे से सामान्य यातायात न्यू हाईकोर्ट मोड़ की तरफ नहीं जाएगा। ये यातायात विजयीपुर अंडरपास चौराहा, कठौता चौराहा होते हुए जाएगा। विजयीपुर अंडरपास चौराहे से सामान्य यातायात सर्विस रोड होते हुए कमता तिराहा से न्यू हाईकोर्ट की तरफ नहीं जाएगा। ये यातायात विजयीपुर अंडरपास चौराहा से आईजीपी चौराहा अथवा विजयीपुर अंडरपास चौराहा से कठौता चौराहा होते हुए जाएगा।

प्रॉपर्टी डीलर पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस

लखनऊ, (संवाददाता)। बीबीडी इलाके में रविवार दोपहर अभय सिंह की खुदकुशी के मामले में पुलिस ने बाजूपुर निवासी प्रॉपर्टी डीलर जितेंद्र सिंह के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई अभय की बहन खुशबू की शिकायत पर की है। बाजूपुर निवासी खुशबू के मुताबिक मूलरूप से बीकेटी के मामपुर बाना निवासी भाई अभय (24) उनके साथ रहता था। रविवार को भाई ने बाग में पेड़ से रस्सी के सहारे फंदा लगा लिया था। भाई ने खुदकुशी से पहले एक वीडियो बनाया था। इसमें उसने जितेंद्र पर उसकी जमीन की रजिस्ट्री करवाने के बाद रकम न देने का आरोप लगाया था। नौ साल पहले जब भाई नाबालिग था, तब इस बात का फायदा उठाकर जितेंद्र ने बरगला कर उसकी जमीन और मकान की रजिस्ट्री अपने नाम करा ली थी। बालिग होने पर भाई ने जब आरोपी से मकान और जमीन की कीमत मांगी तो वह टालमटोल करने लगा। खुशबू का आरोप है कि 26 जुलाई को जितेंद्र उनके घर आ धमका था। आरोपी ने भाई को रकम मांगने पर उसकी, पत्नी और बच्चों की हत्या करने की धमकी दी थी। इस बात पर भाई बहुत घबरा गया था और आत्महत्या कर ली। इंस्पेक्टर बीबीडी राम सिंह के मुताबिक मामले की विवेचना दरोगा अरविंद कुमार कर रहे हैं।

प्रॉपर्टी डीलर पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस

लखनऊ, (संवाददाता)। बीबीडी इलाके में रविवार दोपहर अभय सिंह की खुदकुशी के मामले में पुलिस ने बाजूपुर निवासी प्रॉपर्टी डीलर जितेंद्र सिंह के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई अभय की बहन खुशबू की शिकायत पर की है। बाजूपुर निवासी खुशबू के मुताबिक मूलरूप से बीकेटी के मामपुर बाना निवासी भाई अभय (24) उनके साथ रहता था। रविवार को भाई ने बाग में पेड़ से रस्सी के सहारे फंदा लगा लिया था। भाई ने खुदकुशी से पहले एक वीडियो बनाया था।

29 जिलों में भारी बरसात की चेतावनी, लखनऊ सहित इन जिलों के लिए अलर्ट जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में मानसून की सक्रियता बढ़ने से बीते 24 घंटों में पूर्वी यूपी के विभिन्न जिलों में अच्छी बारिश देखने को मिली है। सोमवार को प्रतापगढ़ में सर्वाधिक 85 मिमी बारिश दर्ज की गई। जौनपुर में 69.2 मिमी और अमेठी में 65 मिमी बारिश हुई। वहीं

गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर में भी अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग की ओर से मंगलवार के लिए बुंदेलखंड और आगरा क्षेत्र के छह जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं पश्चिमी यूपी के 29 अन्य जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट है। मौसम विभाग का कहना है फिलहाल एक सप्ताह तक यूपी के तराई इलाकों में छिटपुट बूंदाबांदी का दौर जारी रहेगा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार को बंगाल की खाड़ी में बना लो प्रेशर के कमजोर पड़ा है। इससे मानसूनी ट्रफ लाइन उत्तर की ओर शिफ्ट हुआ है। इसके असर से मंगलवार को बुंदेलखंड और आगरा क्षेत्र में भारी बारिश के संकेत हैं। साथ ही यूपी में पूरब से लेकर पश्चिम तक हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहेगा। बांदा, चित्रकूट, फतेहपुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में। सोमवार को हजरतगंज, महानगर, पुराने लखनऊ, गोमतीनगर, आलमबाग में हल्की बारिश हुई। इस बारिश और दिन भर आसमान में बादलों की मौजूदगी के असर से तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार राजधानी में अगले दो दिन तक मौसम सुहाना रहने वाला है। मंगलवार को अच्छी बारिश के आसार हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक मंगलवार और बुधवार को लखनऊ में बादलों की सक्रियता ज्यादा रहेगी। इस दौरान बूंदाबांदी से लेकर हल्की बारिश हो सकती है। इससे तापमान में दो डिग्री तक की कमी आने के आसार हैं। सोमवार को अधिकतम तापमान 1.2 डिग्री की गिरावट के साथ 31.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 1.8 डिग्री कम रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री की मामूली कमी के साथ 27.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा।

90 करोड़ से होगा नैमिषारण्य का बहुमुखी विकास

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में काशी, अयोध्या के बाद पर्यटन विभाग नैमिषारण्य के बहुमुखी विकास व पर्यटन आकर्षण बढ़ाने में जुट गया है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में नैमिषारण्य विकास परिषद द्वारा नैमिषारण्य क्षेत्र में पर्यटन विकास से जुड़ी 28 नई परियोजनाओं के लिए 90 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इनके धरातल पर उतरने से नैमिषारण्य में श्रद्धालुओं व पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मिश्रिख सीतापुर में राजघाट, लखनऊ– सीता मार्ग पर वैदिक थीम के अनुरूप तोरण द्वारों की स्थापना की जाएगी। कल्ली रोड बाईपास से ललितादेवी मंदिर–चक्रतीर्थ होते हुए राजघाट तक कॉरिडोर का निर्माण, ललितादेवी मंदिर से कालीवाड़ी चौराहे होते हुए राजघाट तक कॉरिडोर का निर्माण, नैमिषारण्य में पर्यटन सुविधा केंद्र का निर्माण, मिश्रिख के सभी चौराहों का विकास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में ललितादेवी मंदिर से चक्रतीर्थ तक नाले का सुदृढीकरण, नैमिषारण्य में धर्मशाला का पिलग्रिम इंटरपटेशन सेंटर का विकास, बड़ी छावनी आश्रम परिसर में पर्यटक निवास व पर्यटक सुविधाओं का विकास, पर्यटकों की सुविधा के लिए सभी मुख्य मार्गों, संपर्क मार्गों पर हेरिटेज सोलर लाइट, सीतापुर में विभिन्न भाषाओं में संकेतक

की स्थापना, नैमिषारण्य धाम में वेदारण्यम की स्थापना भी की जाएगी। सीतापुर में मिश्रिख व अन्य स्थानों का पर्यटन विकास पर्यटन मंत्री ने बताया कि मिश्रिख के पिपरी व लोकनापुर गांव में बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के आसपास अवस्थापना सुविधाओं का विकास, गंधेरिया में पौराणिक शिवालय का पर्यटन विकास, गोमती किनारे नीलकंठ महादेव मंदिर का पर्यटन विकास, बिसवा में मां शीतलादेवी मंदिर का पर्यटन विकास, पिसांवा में मूल्लाभीरी शिव जी मंदिर में पर्यटक सुविधाओं का निर्माण, महर्षि वाल्मिकी आश्रम कनवाखेड़ा का पर्यटन विकास तथा शंकरन ब्लॉक के देवतापुर में जंगली नाथ बाबा मंदिर का पर्यटन विकास कराया जाएगा।इसी क्रम में कई अन्य पर्यटन योजनाओं का विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीतापुर में मिश्रिख व अन्य स्थानों का पर्यटन विकास किया जाएगा। नैमिषारण्य आने वाले श्रद्धालुओं व पर्यटकों की संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है। इसे देखते हुए पर्यटन विभाग की ओर से यहां पर आकर्षण व सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

बेरहमी... सौतले पिता की पिटाई से फट गया था मासूम का लिवर

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर के बड़ी जुगौली में दो वर्ष के सौतेले बेटे आदित्य की बेरहमी से पीटकर हत्या करने के आरोपी जगन्नाथ सैनी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला कि पिटाई से आदित्य का लिवर फट गया था। यही वजह है कि चोट लगने के बाद वह खून की उल्टियां कर रहा था। उसके सीने, चेहरे और पेट पर भी चोट के निशान मिले हैं। डीसीपी शशांक सिंह के मुताबिक जगन्नाथ ने दो शादियां की थीं। दूसरी पत्नी नंदिनी का बेटा आदित्य आरोपी के साथ ही रहता था, जिसे वह पसंद नहीं करता था। जगन्नाथ का कई बार नंदिनी से इसे लेकर विवाद हुआ था। उसने नंदिनी से कहा था कि वह आदित्य को पहले पति के पास भेज दे, जिससे नंदिनी ने इनकार कर दिया था। रविवार को भी दोनों में इस बात को लेकर झगड़ा हुआ था। विवाद के बाद नंदिनी किसी काम से बाहर चली गई। इसके बाद जगन्नाथ ने मासूम की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे वह बेहोश हो गया। गंभीर अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि नंदिनी की तहरीर पर जगन्नाथ के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। बिहार के मुजफराबाद निवासी नंदिनी ने ढाई माह पहले वहीं के जगन्नाथ सैनी से दूसरी शादी की थी। जगन्नाथ के पहले पत्नी से तीन बच्चे हैं, जिनमें दो बेटे गोलू और दिलरुख उसके साथ रहते हैं। नंदिनी के भी पहले पति राजेश सैनी से तीन बच्चे आदित्य (2), चांदनी (7) और विशाल (4) हैं। चांदनी व विशाल पिता राजेश के साथ रहते हैं।

गंदगी पर यूपीसीडा को मिला नोटिस.. निवेश मित्र पोर्टल पर भी निष्क्रिय

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में उद्योग बंधु की बैठक से पहले ही अमौसी, नादरगंज व सरोजनीनगर औद्योगिक क्षेत्रों में साफ–सफाई व कूड़े का निस्तारण कराने में अक्षम साबित होने पर यूपीसीडा को नोटिस जारी किया गया है। निवेश मित्र पोर्टल पर भी यूपीसीडा के सबसे ज्यादा 20 मामले लंबित मिले हैं। डीएम की नाराजगी के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने यूपीसीडा को नोटिस जारी किया है। नोटिस में औद्योगिक क्षेत्रों में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियमों के तहत औद्योगिक कचरे का निस्तारण न करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। पिछले महीने उद्योग बंधु की बैठक में औद्योगिक क्षेत्रों में सफाई पर चर्चा हुई थी। यूपीसीडा ने टेंडर प्रक्रिया जारी होने की बात कही थी, लेकिन जब अपर नगर आयुक्त ने जांच की तो निविदा में सिर्फ कूड़ा उठाने की ही बात थी। इस पर डीएम विशाख जी ने यूपीसीडा से कार्ययोजना तलब की। लेकिन, संतोषजनक उत्तर न मिलने पर डीएम ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आरओ को मौके का निरीक्षण कर यूपीसीडा को नोटिस जारी करने के लिए कहा था।

निवेश मित्र पोर्टल पर भी निष्क्रियता

पिछली बैठक में निवेश मित्र पोर्टल पर आई कई विभागों की शिकायतों के मामले पेंडिंग मिले थे, जिसके बाद डीएम ने नाराजगी जताई थी। लेकिन, एक महीने बाद भी स्थिति सुधरी नहीं है। पोर्टल पर अभी सबसे ज्यादा यूपीसीडा के 20, हाउसिंग के सात, यूपीईडा के तीन, यूपीपीसीएल के दो, कृषि विभाग, कॉमर्शियल टैक्स, नगरीय विकास और फिल्म बंधु के एक एक मामले लंबित हैं।

जलभराव पर जल निगम देगा जानकारी

सरोजनीनगर औद्योगिक क्षेत्र में एनएचएआई के निर्माणाधीन नाले की वजह से जलभराव की स्थिति पर डीएम ने औद्योगिक इकाइयों को अपने परिसर में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लिए कहा था। जल निगम को आबादी का पानी औद्योगिक क्षेत्र में आने से रोकने के लिए कार्ययोजना तैयार करने को कहा था।

पिछले महीने हमारे जेई रिटायर हो गए थे, उनसे जुड़े मामले पेंडिंग रह गए। अब नियुक्ति हो गई है,।

ब्लॉक टास्क फोर्स की मीटिंग संपन्न

अयोध्या। बुधवार को स्वास्थ्य केंद्र मसौधा में अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और सहायक विकास अधिकारी पंचायत के संयुक्त अध्यक्षता में ब्लॉक टास्क फोर्स की मीटिंग किया गया।मीटिंग में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस टीकाकरण के अलावा कई जानलेवा बीमारियों से बचाव और गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण के संबंध में विस्तार से चर्चा किया गया।अधीक्षक द्वारा सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों से सहयोग की अपील किया है विशेष तौर से अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत भरत कुंड के सभी मोहल्ला स्तरीय कर्मचारियों से सहयोग की अपेक्षा किया गया।बैठक मे ब्लॉक मोबिलाइजर यूनिसेफ ब्लॉक मसौधा धीरेंद्र नाथ पांडे द्वारा विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान से संबंधित सभी 13 विभागों के 1 जुलाई 2025 से और 29 जुलाई 2025 तक संपन्न किए गए कार्यों का फीडबैक शेयर किया।साथ ही साथ स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत और आंगनवाड़ी विभाग के द्वारा आशा और आंगनवाड़ी का घर–घर भ्रमण और जन समुदाय को टीवी की बीमारी,कुष्ठ रोग, फाइलेरिया, दिमागी की बुखार, सामान्य बुखार से पीडित रोगियों का चिन्हीकरण व उनके परिवारों को इससे सावधान रहने को जागरूक किया।बैठक में ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी ब्लॉक कम्युनिटी प्रक्रिया मैनेजर टीकाकरण नोडल. शिक्षा विभाग से ब्लॉक एजुकेशन अधिकारी प्रतिनिधि स्वास्थ्य अमिताभ सिंह, सहायक विकास अधिकारी पंचायत जीशान हैदर,कृषि विभाग और पशुपालन विभाग के प्रतिनिधि सहगल फाउंडेशन के जिला कोऑर्डिनेटर सुंदरम द्विवेदी, दिशा संस्था के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर राजाराम, नगर पंचायत भारत कुंड से अमित कुमार तिवारी,बाल विकास परियोजना अधिकारी दिनेश कुमार अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रस्तुत किया।

शहर में ज्यादातर शराब की दुकानों पर शराब पीने और पिलाने से स्थानीय लोगों मे रोष

अयोध्या।शहर के अधिकतर इलाकों मे कंपोजिट शराब की दुकानों के आस–पास वहीं बैठाकर शराब पीने पिलाने को लेकर स्थानीय निवासियों व अन्य दुकानदारों में काफी रोष व्याप्त है।वही इस संबंध मे कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि इन जगहों पर शराब की दुकानों पर ही या फिर उसके अगल बगल बैठकर खुलेआम शराब पीने और पिलाने वालों की वजह से पूरे मोहल्ले का वातावरण खघ्राब हो रहा है।जिसके कारण शाम होते ही घरों से लड़कियोंध्महिलाओं व संभ्रांत लोगों का सड़क पर निकलना दुश्वार हो गया है।साथ ही ठेकों के अगल–बगल के अन्य दुकानदारों का कहना है कि इन्हीं सब कारणों से शाम होते ही हम लोगों की दुकानों पर भी ग्राहकों का आना जाना कम हो चुका है।इन क्षेत्रों के कुछ स्थानीय निवासियों ने बताया कि अनाधिकृत तरीके से इन जगहों पर शराब पीने वालों से ज्यादा उसके आस–पास बैठाकर पिलाने वालों की भूमिका ज्यादा दिखती है। इस संबंध में जिला आबकारी अधिकारी सुरेश चंद्र मिश्र ने बताया कि मॉडल शॉप वह लाइसेंस धारक रेस्टोरेंट के स्वामी अंदर ही शराब पीने पिलाने का काम कर सकते हैं अगर कोई इससे संबंधित लाइसेंस धारक किसी को शराब पीने पिलाने का कार्य बाहर करता है तो वह अवैध है। इसके अलावा अन्य शराब विक्रेता अगर बाहर शराब पीने पिलाने का कार्य करते हैं तो यह अवैध है। इन पर शिकंजा कसने के लिए विभाग द्वारा बीच–बीच में कार्यवाही की जाती है। वहीं एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि वायरल हो रहे वीडियो को संज्ञान में लेते हुए इन शराब विक्रेताओ पर पुलिस कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।बताया कि वही ऐसे शराब विक्रेता जो अवैध रूप से खुले आम शराब पीने पिलाने का कार्य कर रहे हैं तो उन पर बीच–बीच में भी पुलिस विभाग द्वारा शिकंजा कसा जाता है।

राजेश कुमार ने ग्रहण किया नवागत मंडलायुक्त अयोध्या मंडल के रूप मे कार्यभार

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। नवागत मंडलायुक्त राजेश कुमार ने बुधवार को आयुक्त कार्यालय में मंडलायुक्त के पद का कार्यभार ग्रहण किया।इस दौरान जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, अपर आयुक्त प्रशासन अजय कान्त सैनी, मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह मौजूद रहे।बताते चले कि नवागत कमिश्नर राजेश कुमार भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2008 बैच के वरिष्ठ अधिकारी हैं और पूर्व में सचिव गृह उ०प्र० शासन के पद पर कार्यरत थे।मंडलायुक्त राजेश कुमार ने पदभार ग्रहण करने के बाद आयुक्त कार्यालय के अधिकारियों, संभागीय अधिकारियों व कार्मिकों के साथ एक परिचयात्मक

बैठक की।इस बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकताओं, विशेषकर स्वास्थ्य, शिक्षा, आधारभूत संरचना, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण एवं रोजगारोन्मुखी योजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।नवागत मंडलायुक्त राजेश कुमार बुधवार को आकर सबसे पहले हनुमानगढ़ी में दर्शन पूजन किया तत्पश्चात कनक भवन पहुंच कर दर्शन पूजन किया और फिर श्रीराम जन्मभूमि परिसर में पहुंच कर प्रभु राम लला का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।दर्शन पूजन करने के बाद सर्किट हाउस अयोध्या पहुंचे जहां उन्होंने गॉर्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया।सर्किट हाउस में जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डाक्टर गौरव ग्रोवर, उपाध्यक्ष विकास प्राधिकरण अश्विनी कुमार पांडे, नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने उनका बुके भेंट कर स्वागत किया।

भरतपुर प्यासी के ग्रामीणों को अब मिलेंगी सस्ती और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं

कानपुर (प्रत्यूष पाण्डेय). उत्तर प्रदेश सरकार के समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत संचालित डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक परियोजना के माध्यम से अब भरतपुर प्यासी ग्राम पंचायत के लोगों को अपने ही ग्राम पंचायत में सभी प्रकार की प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। भरतपुर प्यासी में डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक का भव्य उद्घाटन कमलेश मिश्रा, जिलाध्यक्ष, किसान मोर्चा, कानपुर देहात ने फीता द्वारा किया गया। इस

अवसर पर जिला महामंत्री श्री योगेंद्र सिंह, राजकुमार गुप्ता, आदर्श अवस्थी, मनीष जी तथा कंपनी के चौनल पार्टनर श्री हिमांशु अवस्थी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सेंटर संचालक श्री अभिषेक उपाध्याय के पूज्य पिताजी ने सभी अतिथियों का पट्टा अभिषेक कर पारंपरिक स्वागत किया, जिससे कार्यक्रम का माहौल और भी गरिमामय हो गया। इस परियोजना को क्रियान्वित कर रही ओब्डु ग्रुप के सीईओ श्री संजय कुमार ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए बताया कि यह क्लीनिक उत्तर प्रदेश सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना इन्वेस्ट यूपी के तहत एक समझौता ज्ञापन द्वारा संचालित है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल में सस्ती और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि दूर–दराज के क्षेत्रों के लोग भी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठा सकें। इस पहल से भरतपुर प्यासी और आसपास के ग्रामीणों को डिजिटल परामर्श, प्राथमिक जांच और आवश्यक दवाओं की सुविधा अपने ही गांव में उपलब्ध हो सकेगी।

शहर कोतवाल बाबा केरारवीर धाम में मनाया गया हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया द्वितीय वार्षिकोत्सव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,महादेव सेवा द्वारा निरंतर चल रहे श्री हनुमान चालीसा पाठ के द्वितीय वार्षिक उत्सव मनाया गया जिसमें सैकड़ों सदस्यों द्वारा श्री सुंदरकांड पाठ श्री हनुमान चालीसा पाठ व पूर्णाहुति के पश्चात भंडारा प्रसाद एवं भजनसंध्या कर वार्षिकोत्सव पूर्ण हुआ। महादेव सेना के संस्थापक अध्यक्ष श्री बिमल सिंह ने श्री हनुमान चालीसा पाठ वार्षिक पूर्णाहुति की महिमा बताते हुआ जनकल्याण कि कामना किया संस्थापक सचिव मनीष सेठ ने आए हुवे अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम विराम की घोषणा करते हुए आभार व्यक्त किया वही मनोज सोनी कोमल द्वारा भजन संध्या प्रस्तुत किया। यज्ञ में वरिष्ठ समाज सेवी ज्ञानप्रकाश सिंह, शहर कोतवाल मिथलेश मिश्रा,भाजपा नेता सतीश सिंह,पूर्व चेयरमैन दिनेश टण्डन , व्यापारी नेता इंद्रभान सिंह इंदु, नीरज सिंह अपना दल के राष्ट्रीय सचिव पप्पू माली समेत अन्य गणमान्य लोगों ने आहुति दी।उक्त कार्यक्रम में महादेव सेना के जिलाध्यक्ष हरेराम केसरवानी,उपाध्यक्ष सुरेश सोनकर, शुभम सिंह,कोषाध्यक्ष सुमित साहू, विष्णु ठठेरा,मनीष राय,दीपक गुप्ता, विकास साहू, स्वराम शर्मा,सुनील मोदनवाल,शीतल साहू,धीरज सोनी,संजय सोनी,सौरभ सेठ,मोहन सेठ, नीरज गुप्ता, प्रशांत मिश्रा,विवेक मौर्या,पवन मोदनवाल,अभिषेक गोस्वामी आदि उपस्थित रहे।

महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने किया प्रमुख स्थानों पर चलाया चेकिंग अभियान

अयोध्या। बुधवार को सावन मेला तथा आने वाले प्रमुख पर्वों को लेकर महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला ने अपनी टीम के साथ रेलवे स्टेशन,बस स्टेशन सहित अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया। वहीं इसी कड़ी में उन्होंने मिशन शक्ति फेस – 5 अभियान के तहत विभिन्न चौराहों पर महिलाओं बालिकाओं तथा अन्य लोगों को शान द्वारा चलाई जा रही अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी दिया।महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने बुधवार को शहर के चौक, रिकाबगंज, बजाजा, सुभाष नगर, गुदडी बाजार व प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियो महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण न योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ,प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा–112 इमरजेन्सी,सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन–102, एम्बुलेंस सेवा–108, महिला हेल्प लाईन–181,साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट आदि बांटकर जागरूक किया।इस संबंध में महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला ने बताया के इस अभियान के तहत महिलाओं बालिकाओं व अन्य लोगों को षमिशन शक्ति फेज–5 के के तहत जागरूक किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के प्रदेश अध्यक्ष पद पर भूपेंद्र कुमार सिंह को मनोनीत किए जाने पर लेखपालों में हर्ष की लहर

बुलंदशहर श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सेवा निवृत पटवारी राजवीर सिंह के माध्यम से अवगत कराया गया कि मेरे नेतृत्व में 17 दिसंबर 2017 को संपूर्ण प्रदेश का अनुसूचित जाति जनजाति परिचय सम्मेलन चमेली देवी डिग्री कॉलेज बुलंदशहर से प्रारंभ हुआ था इस कारण 7 वर्ष के लंबे एवं कड़े संघर्ष के बाद आज उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के प्रदेश अध्यक्ष पद पर भूपेंद्र कुमार लेखपाल लखनऊ को मनोनीत किए जाने पर उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के समस्त साथियों लेखपाल भाइयों को ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं प्रिय साथियों सादर अभिवादन भी किया गया आशा ही नहीं बल्कि दृढ़ विश्वास के साथ कह सकता हूं कि आप समस्त सह परिवार कुशल पूर्वक अपना जीवन यापन कर रहे होंगे बेहद प्रसन्नता के साथ आप सबको बधाई देता हूं कि आप समस्त जनपदों में श्रेष्ठता के साथ जागृत हुए हैं साथियों आपका ध्यान स्मरण कराना चाहूंगा कि सन 2017 में उत्तर प्रदेश लेखपाल अनुसूचित जाति जनजाति परिचय सम्मेलन जब आयोजित किया गया था तो प्रारंभ में मैं अकेलापन लेकर इस लड़ाई को लड़ने के लिए चला था लेकिन उसमें अन्य लोगों द्वारा हमारा अपमान और ताना देना कोई कहता था कि कोई परिचय सम्मेलन में जाएगा नहीं जाएगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी बर्खास्त कर दिया जाएगा लेकिन आप सभी ने परिचय सम्मेलन में पहुंचकर एक एकता की मिसाल कायम करके विशाल संदेश दिया था यह प्रेरणा का मुख्य स्रोत थी तथा आगामी चुनाव में फिर वही अपमान और तानों से प्रताड़ित रहा तथा जगह–जगह बोला गया कि इनका पैनल तक नहीं बन पाएगा फिर आपका बहुत ही सराहनीय सहयोग रहा पैनल भी बना और चुनाव भी लड़ा गयां भाई डालचंद आपके विचार बहुत ही सराहनीय योग्य हैं लेकिन मैं आज इसलिए बहुत ही गर्व के साथ कह सकता हूं और खुश हूं कि उसी मशाल को लेकर किसी ना किसी रूप में आज गुरु प्रसाद चौधरी अध्यक्ष उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ इटावा रामनिवास अध्यक्ष उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ हाथरस अजय चौधरी अध्यक्ष उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ शाहजहांपुर तथा राजकुमार सागर अध्यक्ष उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ प्रयागराज तथा राम सुमेर बस्ती तथा अमरीश कुमार लखीमपुर खीरी तथा अशोक दोहरे औरैया तथा सोबरन भारती कन्नौज तथा रामआसरे सोनभद्र बेदराम जौहर शाहजहांपुर नरेंद्र बिजनौर महिपाल सिंह रामपुर भगवान शाह जिला मंत्री मथुरा प्रताप सिंह जिला मंत्री आगरा तथा धर्मराज कौशांबी राजेंद्र सिंह मथुरा सुरेश एटा नेम सिंह एटा नरसिंह पाल एटा राम मुकेश भारती शामली सियाराम आगरा तथा डॉ अश्वनी कुमार जी आग सेवानिवृत्त लेखपाल राजवीर सिंह द्वारा बताया गया ।

निकायों को बेहतर और संसाधन संपन्न बनाया जाना प्राथमिकता : अनुनय झा

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)
नगर निकायों की ही स्थिति से जिले की छवि बनती–बिगड़ती है। निकायों में साफ–सफाई और सुविधा और सहूलियत बेहतर होने से लोगों को भी आसानी रहती है। शहर साफ–सुथरे दिखते ही नहीं है, बीमारियों पर भी विराम लगता है। जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया कि निकायों को बेहतर और संसाधन संपन्न बनाया जाना उनकी प्राथमिकता है। सभी 13 निकायों के अधिशासी अधिकारियों से जरूरत के संसाधन, वाहन और लोगों की सुविधा–सहूयिलत से जुड़ जलापूर्ति आदि के कामों की कार्य योजना मांगी गई है। उन्होंने बताया कि काम पड़ने पर अब निकाय के जिम्मेदार संसाधनों का रोना नहीं रो पाएंगे। करीब 35 करोड़ रुपये से जिले के निकायों को संसाधन संपन्न बनाया जाएगा। इसके लिए जरूरत के उपकरण, वाहनों की खरीदारी के साथ ही जलापूर्ति, पाइपलाइन और नलकूपों की स्थापना कराई जाएगी। निकाय के जिम्मेदारों को संसाधनों की आवश्यकता और प्राथमिकता के कामों की सूची तैयार कराने की जिम्मेदारी दी गई है। निकायों में जरूरत पड़ने पर संसाधनों की कमी आड़े आ जाती है। इससे चंद मिनट में होने वाला काम घंटों में भी नहीं हो पाता है। प्रशासन ने निकायों को संसाधन संपन्न बनाने की रणनीति बनाई है। निकायों में जलभराव, साफ–सफाई, जलापूर्ति आदि की समस्या के समाधान के लिए जरूरी उपकरणों की खरीदारी कराई जाएगी। प्रशासन ने यह खरीदारी और काम कराने के लिए 15वें वित्त आयोग के टाइड फंड मंद में मिले रुपये से कार्ययोजना तलब की है। डीएम ने बताया कि 15वें वित्त आयोग के टाइड फंड की मद से सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, जलापूर्ति, विभिन्न प्रकार के उपकरणों और वाहनों की खरीदारी, मिनी जेसीबी, इलेक्ट्रिक उपकरण की खरीदारी और नलकूपों की स्थापना प्राथमिकता पर कराए जाने की व्यवस्था दी गई है।

लायन्स क्लब जौनपुर मेन ने टीबी मरीजों को पोषण किट वितरित किया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर लायन्स क्लब जौनपुर मेन द्वारा राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन अभियान के क्रम में भारत को टीबी मुक्त राष्ट्र बनाने के संकल्प को आत्मसात करते हुए बुधवार को साहू धर्मशाला परिसर में पुनः गोद लिए गयें 30 टीबी मरीजों को पोषण पोटली का वितरण किया गया। इन मरीजों को आवश्यक पोषक तत्वों, प्रोटीन पाउडर, चना, गुड़, सत्तु, मूंगफली दाना, दाल, लाई, और स्वच्छता हेतु नहाने व कपड़ा धोने का साबुन आदि को सम्मिलित करते हुए पौष्टिक आहार की पोटली वितरित की गयी। संस्थाध्यक्ष सीए राजेश राज गुप्ता ने लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि मंडल द्वारा निर्देशित हंगर कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान की कड़ी में टीबी रोगियों को सुपोषित करने के लिए पोषणयुक्त सामग्री दी जा रही है। मुख्य अतिथि दिनेश टंडन पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद ने कहा कि टीबी से ग्रसित होने पर मरीजों की सेहत बिगड़ जाती है। लेकिन टीबी एक इलाज योग्य बीमारी है। नियमित दवा सेवन और पौष्टिक आहार से टीबी को पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है। विशिष्ट अतिथि माया टंडन निवर्तमान अध्यक्ष नपपा ने इलाज करा रहे टीबी के मरीजों को नियमित दवा लेने और पौष्टिक भोजन लेने का आह्वान किया। उन्होंने रोगियों को बताया कि रोज सुबह हल्का हल्का व्यायाम करें, खाने में फाइबर वाली चीजें जैसे हरी सब्जियां, मौसमी फल, दालें, सोयाबीन ज्यादा से ज्यादा लें। खाने के तुरन्त बाद लेटें नहीं बल्कि थोड़ा टहलें। ध्यान रहे कि किसी भी स्थिति में टीबी की दवा बंद नहीं करनी है। इसके अलावा उन्होंने मरीजों से कहा कि समय–समय पर अपना चेकअप और निरंतर दवाओं का सेवन भी साथ करते रहे। सही देखभाल और उचित ट्रीटमेंट से हम इसे जड़ से भी समाप्त कर सकते हैं। निक्षय मित्रः डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने बताया कि आज टीबी पूरी तरह से ठीक होने वाली बीमारी है, जिसे चिकित्सक की सलाह पर नियमित इलाज, उचित पोषाहार व साफ–सुथरी जीवन शैली अपनाकर घर में ही परिवार के साथ रहकर ठीक किया जा सकता है। टीबी रोगियों के लिए दवा के साथ प्रोटीनयुक्त आहार जरूरी होता है। इस अवसर पर सचिव योगेश साहू, कोषाध्यक्ष रंजीत सिंह, सोमेश्वर केसरवानी, मनोज चतुर्वेदी, सुशील अग्रहरी, डॉ मदन मोहन वर्मा, संजय केडिया, राम कुमार साहू, मदन गोपाल गुप्ता, आर पी सिंह, परमजीत सिंह, राजीव श्रीवास्तव, अमित पाण्डेय, राजन बैंकर आदि सदस्य उपस्थित रहे।

चौकीदार हत्याकांड का पुलिस टीम ने 11 दिन में किया खुलासा

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)
थाना शाहाबाद पुलिस को सर्विलांस टीम की मदद से बड़ी सफलता हाथ लगी है। ग्यारह दिन पूर्व ग्राम हूंसेपुर में हुई युवक की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की वजह महज इतनी थी कि युवक ने आरोपियों को चोरी करते हुए पकड़ लिया था। प्रभारी निरीक्षक उमेश त्रिपाठी के अनुसार दिनांक 19 जुलाई 2025 की रात शाहाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम हूंसेपुर में स्थित सीमेंटेड ब्रिक्स निर्माण प्लांट के पास तेजा पुत्र रामसरन का शव बरामद हुआ था। तेजा प्लांट पर चौकीदारी करता था। किसी ने उसे ईंट और डंडों से पीटकर मौत के घाट उतार दिया और शव को प्लांट के समीप फेंककर फरार हो गया। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने बताया कि पुलिस को जांच में पता चला कि हत्या से पहले प्लांट में लगे जनरेटर के तांबे के तार चोरी का प्रयास किया गया था, और मृतक ने विरोध किया था। इसी रंजिश में तेजा की निर्मम हत्या कर दी गई। सर्विलांस और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने घटना की गहन जांच करते हुए बुधवार को अशाराम निवासी पंडितपुरवा व रामसेवक निवासी मढ़िया कोतवाली देहात को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उन्होंने बताया कि शराब पीने के बाद वे अपने एक अन्य साथी के साथ प्लांट से तांबा चोरी करने पहुंचे थे। तेजा ने विरोध किया तो उस पर ईंट व डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए थे। गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त 02 डंडे और मृतक की साइकिल बरामद कर ली है। पुलिस अधीक्षक हरदोई के अनुसार, अभियुक्त रामसेवक पहले भी थाना लोनार क्षेत्र में मारपीट के एक मामले में वांछित था, जिसमें उसने ट्यूबवेल पर सो रहे एक युवक पर जानलेवा हमला किया था। दोनों मामलों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम को लगाया था। इस महत्वपूर्ण सफलता पर पुलिस अधीक्षक हरदोई नीरज कुमार जादौन ने पुलिस टीम को घ्25,000 का इनाम देने की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि जल्द ही तीसरे फरार आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

3 अगस्त को आयोजित विश्व महापीठ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक हेतु अंतिम रूपरेखा किया तैयार

नई दिल्ली श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजवीर सिंह द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया गया कि आज दिनांक 29 जुलाई 2025 को गुजरात भवन में विश्व महापीठ के अंतरराष्ट्रीय महामंत्री पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष आदरणीय आत्माराम परमार के नेतृत्व में एक बैठक का आयोजन गुजरात भवन मेंकिया गया जिसमें विश्व महापीठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरजीत कुमार एवं दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष मनोज कुमार एवं सुभाष चंद्र विनय नरेंद्र यतिन आदि की गरिमामई उपस्थिति विशेषतरू रही बैठक में 3 अगस्त 2025 को सुबह 10रू00 उत्तराखंड सदन में आयोजित होने वाली विश्व महापीठ की विशेष महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक हेतु खाका तैयार किया गया जिसमें बैठक हेतु तैयारियो के निमित्त जिम्मेदारियो का वितरण किया गया बैठक बहुत ही विशाल एवं भव्य होने जा रही है जिसमें भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अत्यंत सरल स्वभाव के धनी दुष्यंत कुमार गौतम की अध्यक्षता रहेगी विश्व महापीठ के समस्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी को सफल बनाएं जाने को कहा गया है

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।